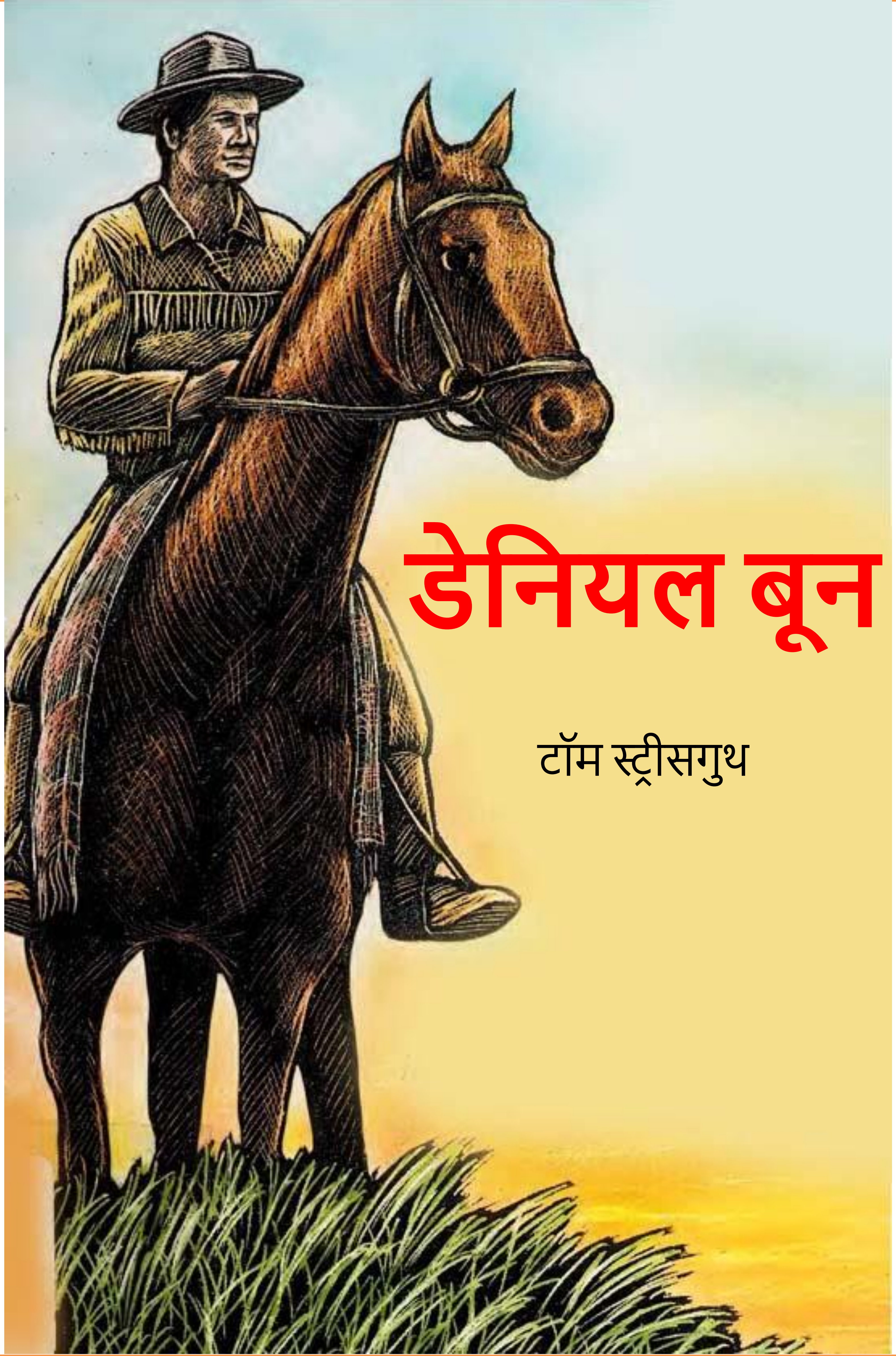

डेनियल बून

टॉम स्ट्रीसगुथ

डेनियल बून

टॉम स्ट्रीसगुथ

चित्र : लॉरेन चैंटलैंड

लेखक का नोट

जब 1734 में डेनियल बून का जन्म हुआ, तब तक संयुक्त राज्य अमेरिका अस्तित्व में नहीं आया था. 1500 के दशक के उत्तरार्ध से, यूरोपीय लोग, पूर्वी उत्तरी अमेरिका में छोटी-छोटी कॉलोनियाँ बसा रहे थे. इन बसने वालों ने पाया कि वहां की ज़मीन पर पहले से ही कई अन्य लोग बसे थे, जिन्हें यूरोपीय लोग इंडियन कहते थे. नए बसने वाले, या उपनिवेशवादी लोगों ने इंडियंस की जमीन को टुकड़े-टुकड़े करके खरीदना या हड़पना शुरू कर दिया.

जब डेनियल बड़ा हो रहा था तब अमेरिकी उपनिवेश भी बढ़ रहे थे. जैसे-जैसे अन्य बसने वाले आए और उनके परिवार और बच्चे उनसे आकर जुड़े, वैसे-वैसे उन्हें खेती के लिए और ज़्यादा ज़मीन की ज़रुरत पड़ी. इसलिए, वे और आगे जंगलों में बढ़े जहां केवल इंडियन रहते थे. इन बसने वालों को भूख, जंगली जानवरों और इंडियंस के हमलों का सामना करना पड़ा जो अपने घरों की रक्षा करना चाहते थे. इन अमेरिकी अग्रदूतों में पहले और सबसे प्रसिद्ध थे डेनियल बून थे. यह उनकी कहानी है.

एक्सेटर, पेंसिल्वेनिया, 1740

युवा डेनियल बून को घर के अंदर रहना पसंद नहीं था.

उसे अपने घर के पास के जंगल में घूमना और खेलना पसंद था.

डेनियल, पक्षियों की आवाज़ के पीछे-पीछे उन्हें खोजने जाता था.

वो हिरणों के पद-चिन्हों का पीछा करता था और बिना आवाज किए उनकी तलाशी में, चलने की कोशिश करता था.

जब डेनियल लगभग छः वर्ष का था, तब एक्सेटर में चेचक रोग फैला.

उस बीमारी ने कई लोगों की जान ले ली.

अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए, सारा और स्क्वॉयर बून ने बच्चों को घर के अंदर रहने के लिए कहा.

डेनियल को घर के अंदर रहने से नफरत थी.

लेकिन उसके दिमाग में एक विचार आया.

यदि उसे चेचक हो जाए, तो शायद माता-पिता उसे मुक्त कर दें.

इसलिए एक रात, डेनियल और उसकी बहन एलिजाबेथ चुपचाप घर से बाहर खिसक निकले.

वे एक पड़ोसी के घर में घुस गए.

फिर वे उन दोस्तों के साथ बिस्तर पर सो गए जिन्हें चेचक हुआ था.

कुछ दिनों बाद, डेनियल बीमार और कमजोर हो गया.

लेकिन वो मरा नहीं.

कुछ समय बाद वो फिर से जंगल में खोजबीन करने लगा.

डेनियल काफी तंदरुस्त था. वो कई दिनों तक लगातार जंगल में चल सकता था और घंटों तक लकड़ी काट सकता था.

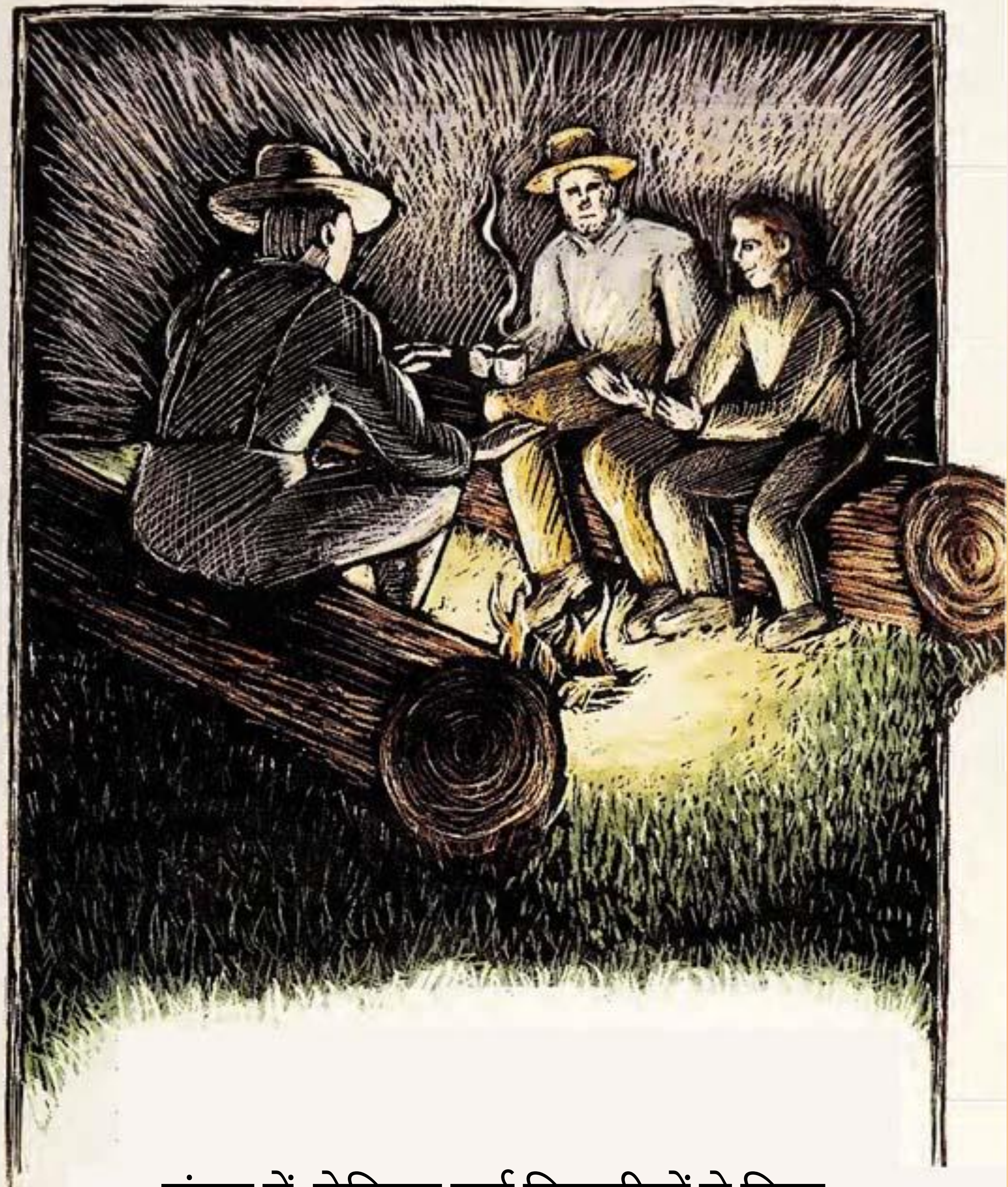

जंगल में, डेनियल कई शिकारियों से मिला. वो उनके गर्म कैम्पफायर के पास बैठा. शिकारियों ने उसे अपना भोजन खाने को दिया और उसे जंगल की कहानियाँ सुनाईं.

डेनियल, कई इंडियंस से भी मिला.

गोरे लोगों के आने से पहले ही शॉनी, डेलावेयर और अन्य कई जनजातियां, पहले से ही पेंसिल्वेनिया में रह रही थीं.

कई अमेरिकी उपनिवेशवादी नहीं चाहते थे कि इंडियन उनके आसपास रहें.

वे जमीन को सिर्फ अपने लिए ही चाहते थे.

लेकिन डेनियल ने उत्सुकता से इंडियन शिकारियों से बहुत कुछ सीखा.

वो कई बार उनके साथ जंगल में भटकता था.

उसने उनके कुछ शब्द भी सीखे और फिर अपने बालों को एक इंडियन आदमी के तरह संवारा.

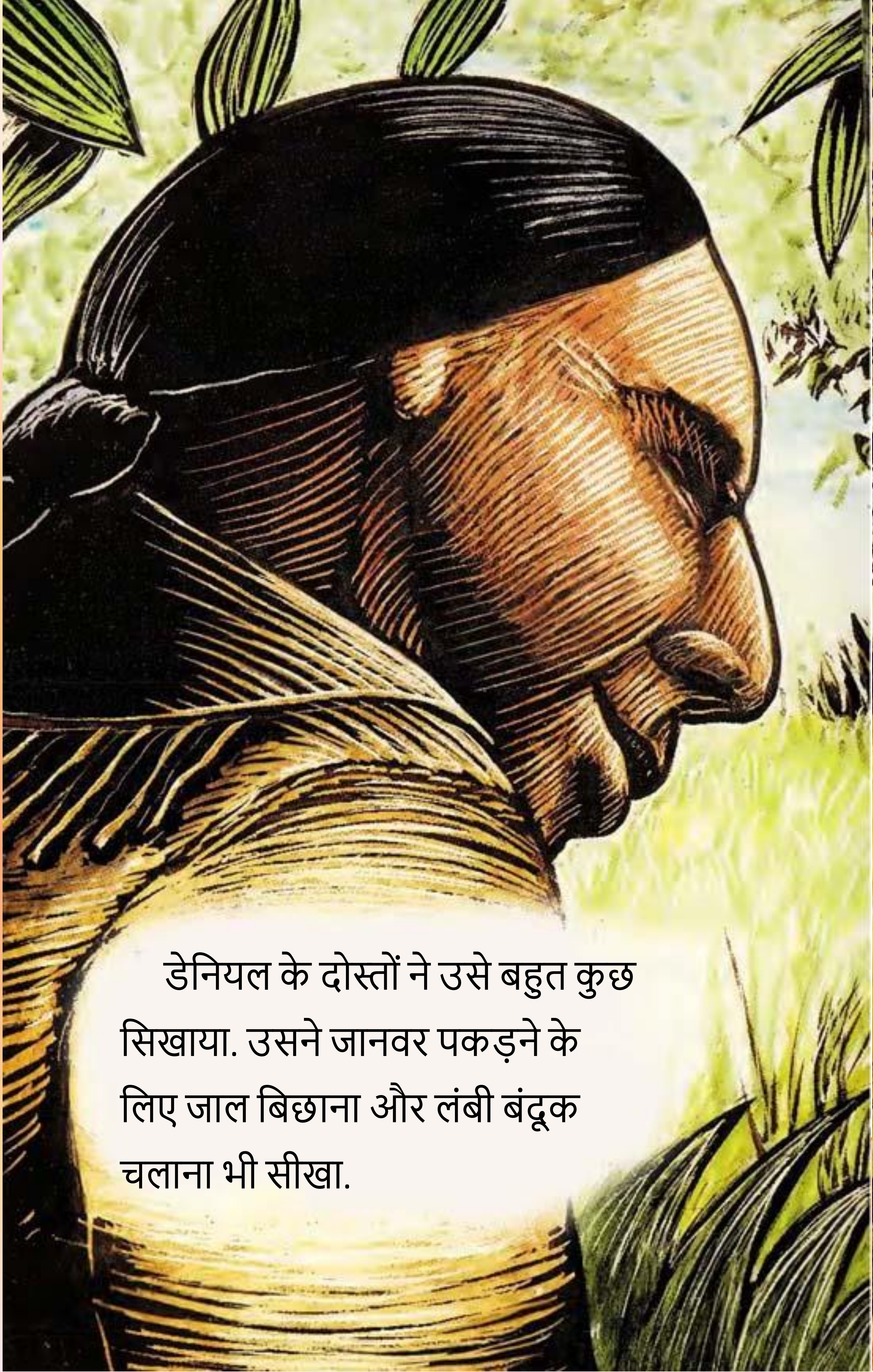

डेनियल के दोस्तों ने उसे बहुत कुछ सिखाया. उसने जानवर पकड़ने के लिए जाल बिछाना और लंबी बंदूक चलाना भी सीखा.

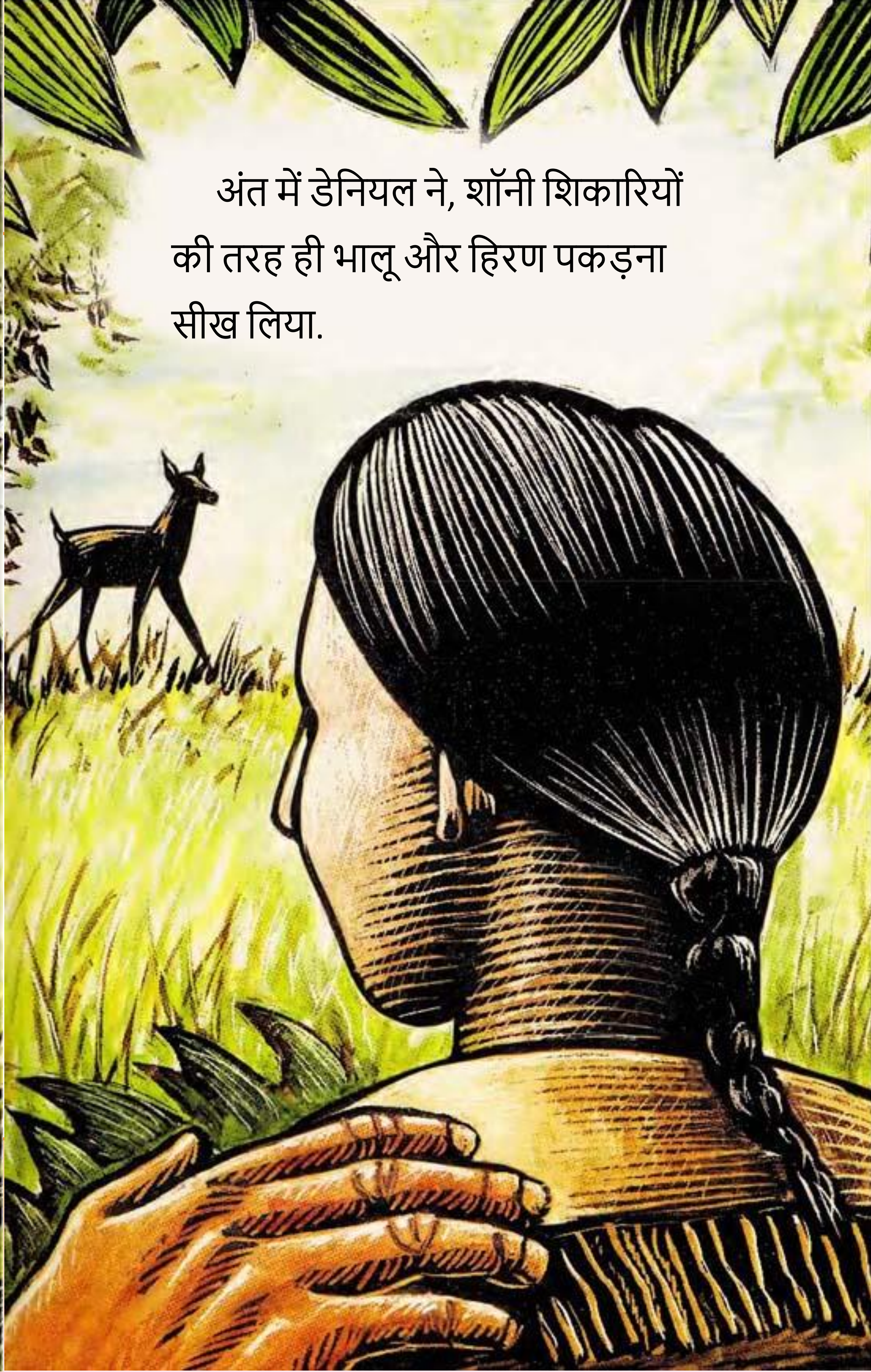

अंत में डेनियल ने, शॉनी शिकारियों की तरह ही भालू और हिरण पकड़ना सीख लिया.

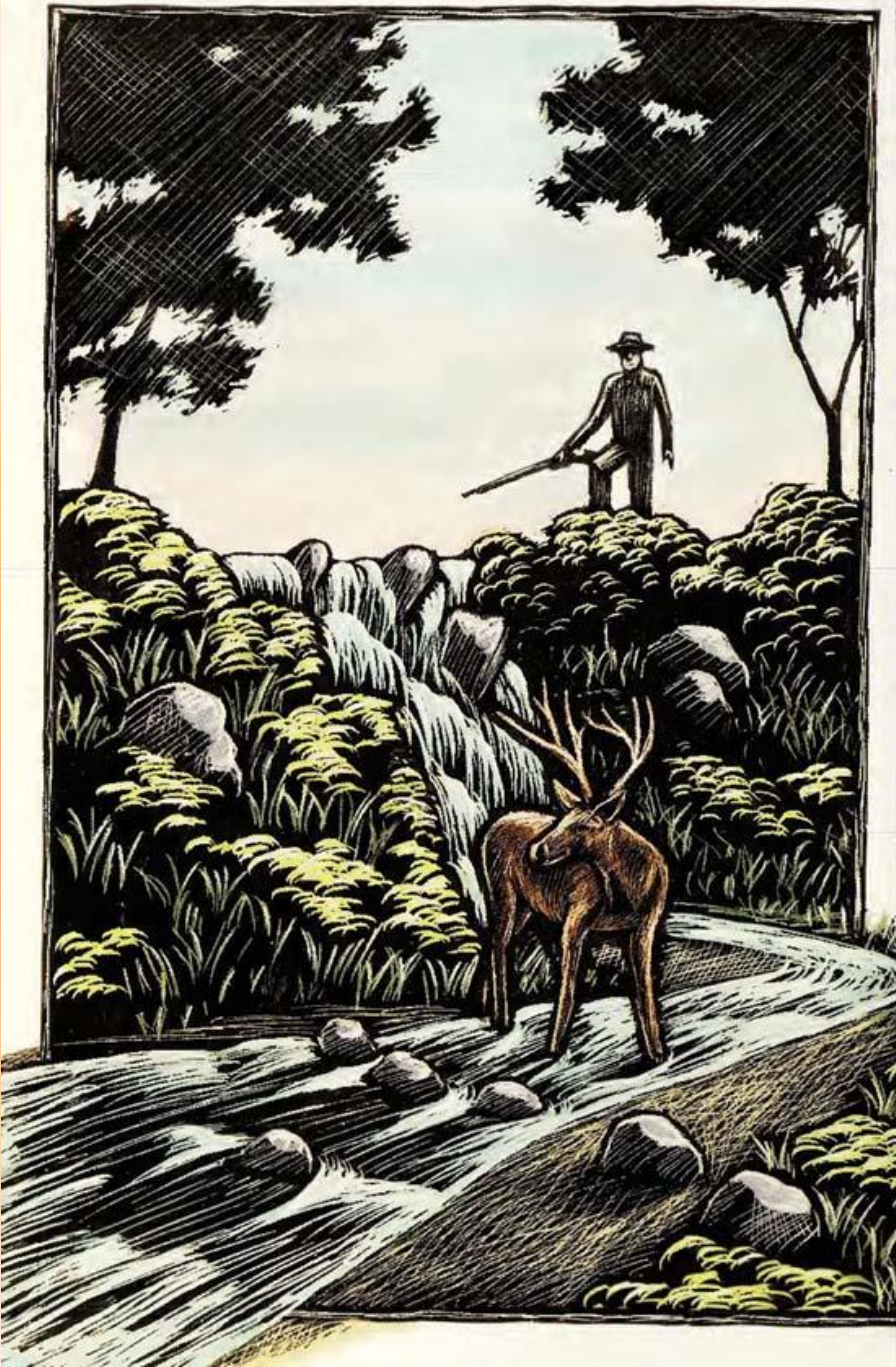

डेनियल सबसे ज्यादा खुश तब होता था जब वो अकेला किसी गहरे जंगल में घूम रहा होता था.

वो फल और कंद खाता था.

वो खुद शिकार किए जानवरों की खाल निकालता था और उन्हें पकाता था.

डेनियल बून एक ऐसे युवक के रूप में बड़ा हुआ, जो पहाड़ों और घाटियों के बीच अपना रास्ता आसानी से खोज सकता था.

वो नदियों और नालों को पार कर सकता था, घुमावदार रास्तों के बीच से जा सकता था और वो कभी खो नहीं सकता था.

वाइल्ड कंट्री, 1750

जब डेनियल 15 साल का था, तो बून्स परिवार ने एक्सेटर छोड़ दिया.

कई परिवारों की तरह, बून्स परिवार नई ज़मीन पर बसना चाहते थे.

वे बढ़ते अमेरिकी उपनिवेशों में अपना स्थान खोजना चाहते थे.

पर उनकी यात्रा लंबी और कठिन होगी.

लेकिन डेनियल, पगडंडियों और जंगल को किसी अन्य इंसान से बेहतर जानता था.

परिवार ने दक्षिण की यात्रा में मार्गदर्शन करने के लिए डेनियल पर भरोसा किया.

बून्स परिवार, उत्तरी कैरोलिना में याडकिन नदी घाटी की ओर बढ़े.

वहां की जंगली ज़मीन पर कुछ लोग बसे हुए थे लेकिन वहां कोई शहर नहीं था.

स्क्वॉयर बून ने सुना था कि वहां हर जगह अच्छी जमीन थी जो किसानों के हल की प्रतीक्षा कर रही थी.

लंबी यात्रा के बाद, बून्स, याडकिन नदी घाटी पहुंचे. डेनियल ने अपने पिता स्क्वॉयर बून की जमीन साफ करने में मदद की. पिता और पुत्र ने बड़े-बड़े पत्थर हटाए. उन्होंने ज़मीन में से पेड़ के ठूंठ उखाड़े. फिर उन्होंने मक्का और गेहूं बोया. उस काम ने डेनियल को थका दिया और वो उससे ऊब गया. प्रत्येक पतझड़ की फसल के बाद, डेनियल उत्सुकता से अपनी लंबी बंदूक उठाकर जंगल में घूमता था.

कड़ाके की ठंड में उसने अपने परिवार के लिए भोजन की तलाश में कई सप्ताह बिताए. उसने बेचने के लिए खालों को इकट्ठा किया. डेनियल हमेशा अपनी लंबी बंदूक से सटीक निशाना साधता था.

उसकी तेज आंखें थीं और हाथ स्थिर थे. एक बार अच्छे मौसम में, उसने 99 भालुओं को मार डाला!!

1753 में, डेनियल, अपनी एक युवा पड़ोसी रेबेका ब्रायन से मिला.

रेबेका ने डेनियल को, सीधे उसकी आँखों में देखा. रेबेका को डेनियल के घूमने से कोई ऐतराज नहीं था. रेबेका भी डेनियल की तरह ही जिद्दी थी. तीन साल बाद, डेनियल और रेबेका ने शादी कर ली. फिर वे अपने फार्म पर चले गए.

1757 में, रेबेका का जेम्स नाम का एक बेटा पैदा हुआ. आगे के वर्षों में, उनके नौ और बच्चे हुए. जब जेम्स बड़ा हुआ तब डेनियल उसे पहाड़ों में शिकार के लिए ले गया. रात में, वे एक धधकती आग के पास लेटते थे. अपने बेटे को गर्म रखने के लिए, डेनियल, जेम्स को अपने मृग की खाल में लपेटता था.

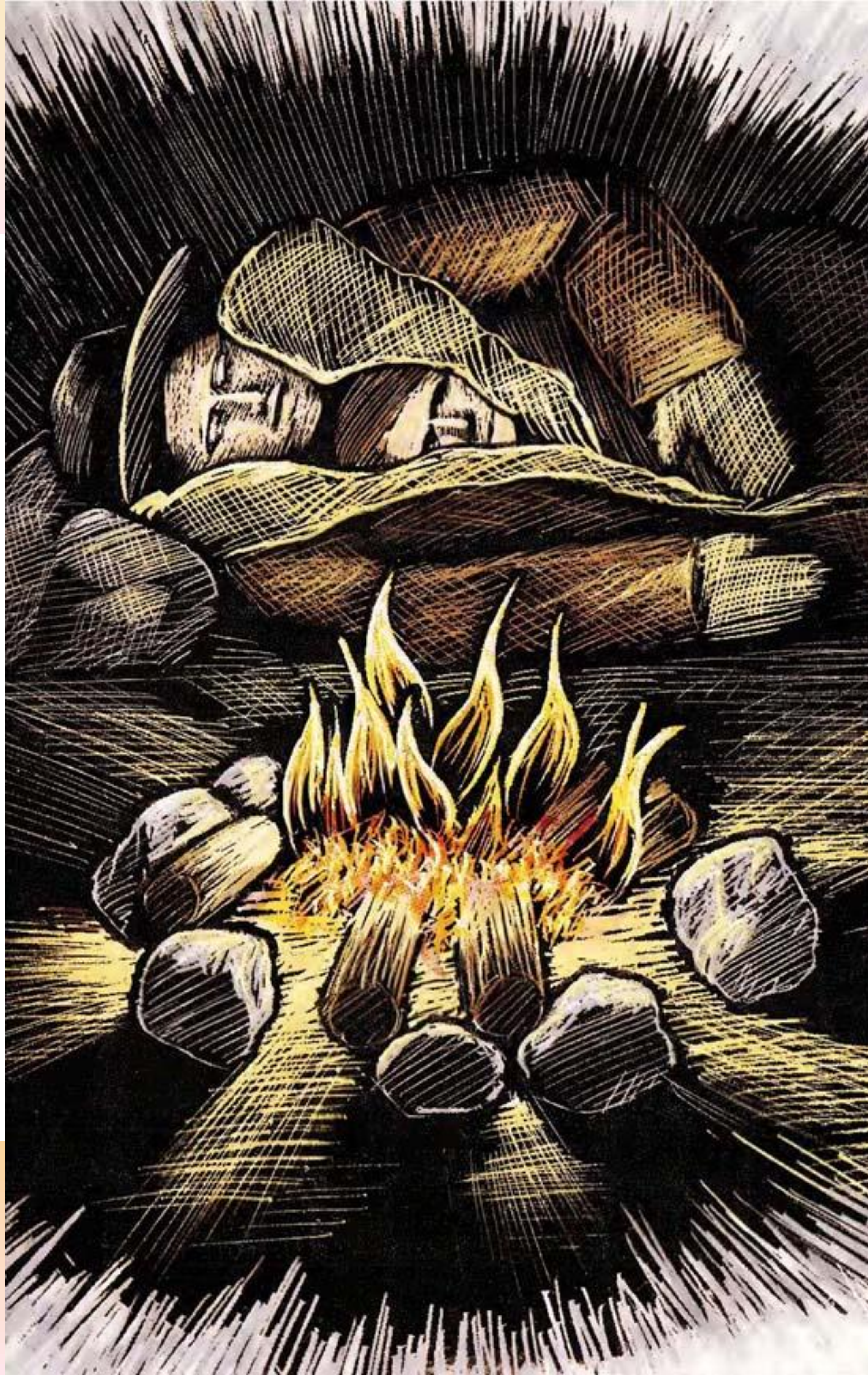

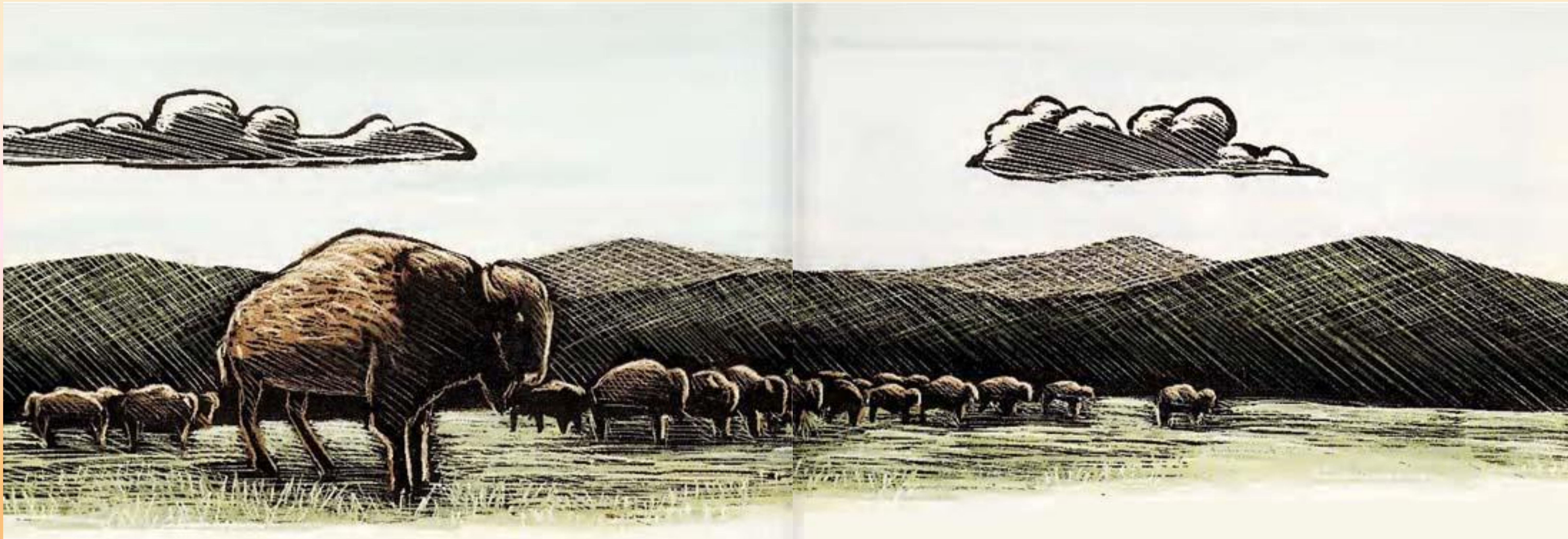

कई अन्य परिवार भी बून्स के पीछे-पीछे से याडकिन नदी घाटी में आए.

उसके बाद शिकार के लिए जानवरों को ढूंढना कठिन होने लगा.

डेनियल ने एपलाचियन पहाड़ों के पार पश्चिम में ज़मीन के बारे में कहानियाँ सुनीं थीं.

उसके पुराने दोस्त, जॉन फाइंडली ने उसे केंटकी के बारे में सब कुछ बताया था.

फाइंडली ने कहा, केंटकी में भैंस, एल्क, हिरण और काले भालू घूमते थे.

जंगली पहाड़ियों के बीच खूबसूरत घास के मैदान और साफ झरने थे.

डेनियल ने ध्यान से उसकी सब बातें सुनीं. केंटकी में, वो दुबारा फिर से घूम सकता था.

वो वहां एक नया शहर बसाने में मदद कर सकता था. वहां पर वो स्क्वॉयर बून की तरह ही अपने कबीले का मुखिया होगा.

डेनियल ने मन बना लिया. वो पश्चिम की ओर, पहाड़ों में और उस पार खुले देश की ओर जाएगा.

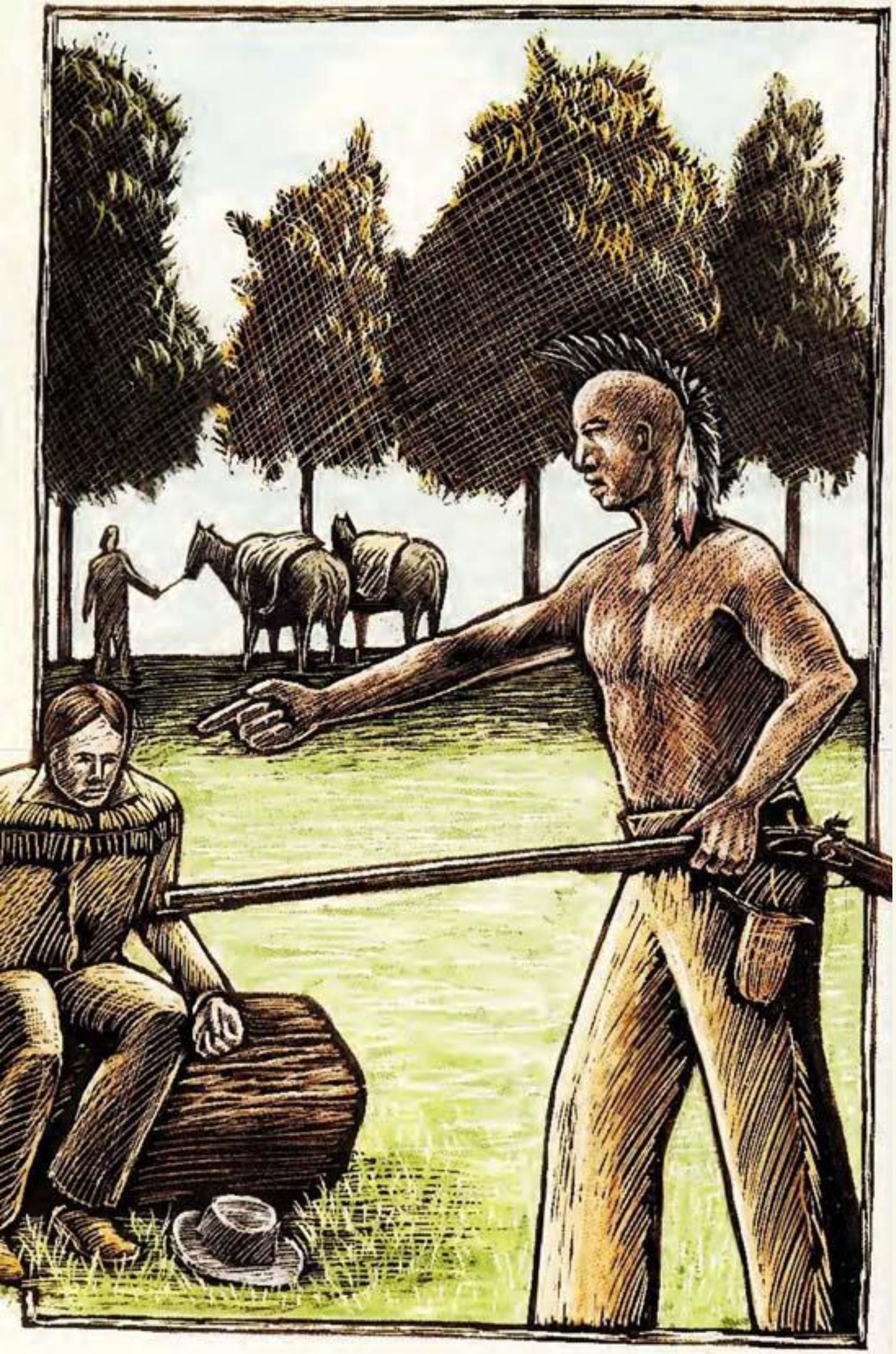

केंटकी में

1769 में, डैनियल बून ने पांच अन्य लोगों के साथ कंबरलैंड दर्रे के बीच से पहाड़ों को पार किया.

वहां की जमीन उतनी ही अच्छी थी जैसे जॉन फाइंडलेव ने बताया था.

महीनों तक, उन लोगों ने शिकार किया और जानवरों को फंसाया.

लेकिन वे वहां अकेले नहीं थे.

शॉनी इंडियंस, वहां पहले से ही रहते थे.

एक दिन, शॉनी इंडियंस का एक समूह डेनियल के शिविर में पहुंचा.

उन्होंने गोरे लोगों की खाल और घोड़ों को ज़प्त कर लिया.

शॉनी नेता, कैप्टन विल ने गुस्से में डेनियल को चेतावनी भी दी.

उन्होंने कहा कि सफेद शिकारियों को केंटकी छोड़ देना चाहिए और कभी वापस नहीं आना चाहिए.

डेनियल और जॉन स्टीवर्ट ने शॉनी इंडियंस का पीछा किया.

उन्होंने अपने घोड़ों को वापस चुरा लिया.

लेकिन शॉनी इंडियंस ने उनके दो आदमियों को पकड़ लिया.

पर सात दिनों के बाद, डेनियल और यूहन्ना भाग निकले.

शॉनी इंडियंस ने उनका पीछा नहीं किया.

इंडियंस के छापे ने डेनियल के दोस्तों को डरा दिया.

उनमें से कुछ पूर्व की ओर चले गए.

लेकिन डेनियल ने अपना सपना नहीं छोड़ा.

उसने केंटकी में स्काउटिंग, शिकार और ट्रैपिंग करते हुए एक वर्ष से अधिक समय बिताया.

महीनों तक वो अकेले ही यात्रा करता रहा.

वो पहाड़ियों पर गुफाओं में रहता था.

उसने नदी के किनारे ही अपने रहने के लिए एक जगह का निर्माण किया.

खुद को व्यस्त रखने के लिए, उसने खुद से बातें कीं और ज़ोर-ज़ोर से गाने गाए.

डेनियल ने ज़मीन के बारे में जो कुछ सीखा उसे वो वहां कर सकता था.

जब कहीं बसने का सही समय होगा, तो वो पूरी तैयार होगा.

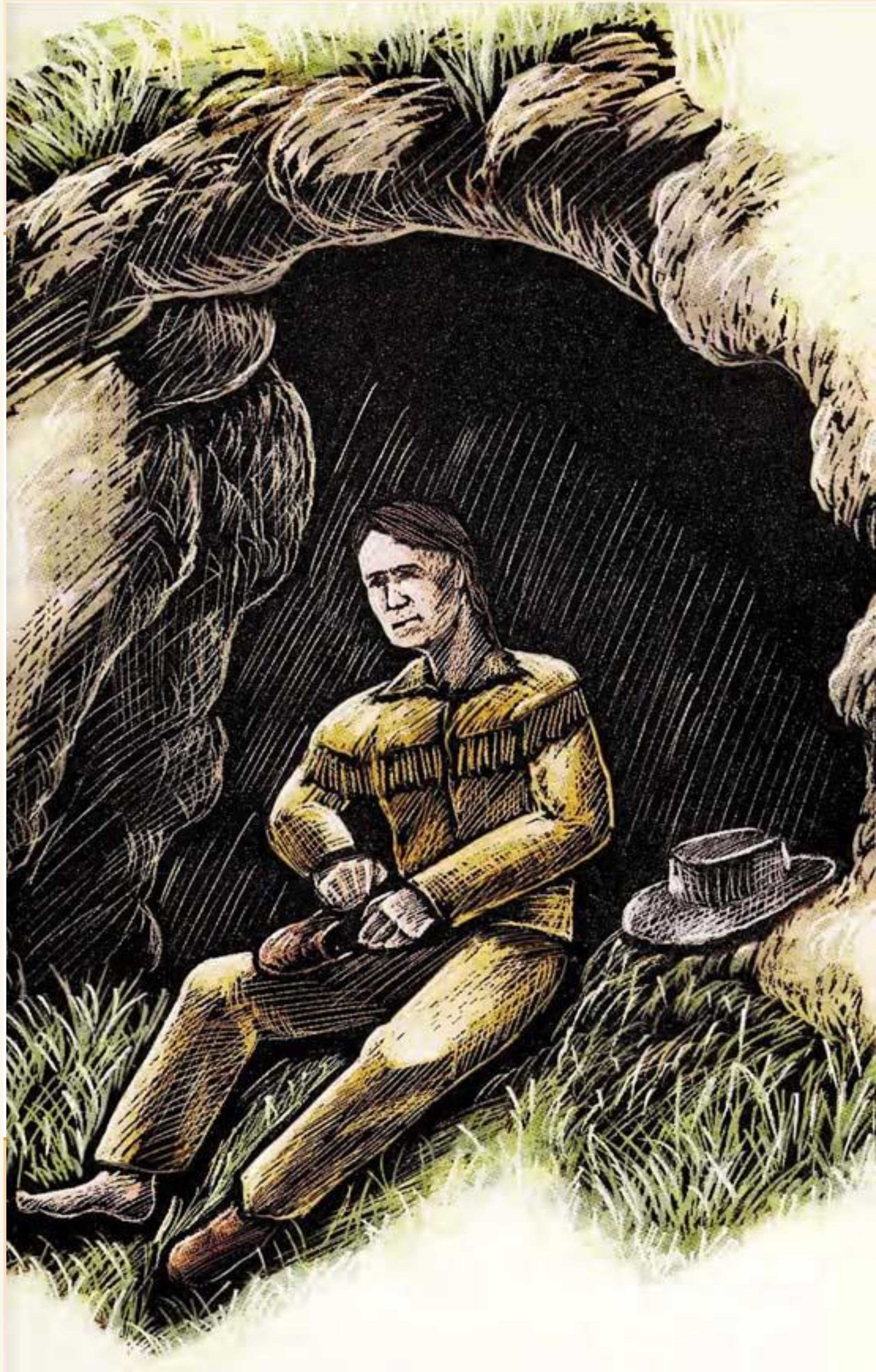

अंत में, 1771 के वसंत में, डेनियल घर लौट आया. वो रात में पहुंचा. उसने रेबेका को एक पार्टी में हंसते और नाचते हुए पाया.

डेनियल अपनी पत्नी के पास गया और उसने उससे नाचने के लिए कहा. लेकिन रेबेका उस गंदे, लंबे बालों वाली अजनबी से दूर हो गई. फिर रेबेका को अपने लापता पति की शांत और मिलनसार आवाज पहचान में आई.

डेनियल अपने परिवार के साथ फिर से बस गया.

लेकिन वो जंगली देश केंटकी को भूला नहीं.

दो साल बाद, उसने परिवारों के एक समूह का नेतृत्व किया, जो वहां पर घर बनाने का सपना देखते थे.

रेबेका और डेनियल बून के बच्चे उस समूह का हिस्सा थे.

बसने वाले लोग अपने साथ भोजन, कपड़े, बंदूकें, उपकरण, घोड़े और कुछ मवेशी लाए थे.

सबसे छोटे बच्चों ने घोड़ों की पीठ पर रखी टोकरियों में सवारी की.

डेनियल ने कंबरलैंड दर्रे की ओर संकरी पगडंडियों के रास्ते, समूह का नेतृत्व किया.

यात्रियों को काफी सावधान रहना पड़ा.

वे शॉनी और चेरोकी इंडियंस के शिकार मैदान से आगे बढ़ रहे थे.

डेनियल ने महसूस किया कि वो यात्रा अपेक्षा से अधिक कठिन होगी. इसलिए उसने अधिक भोजन के लिए एक समूह को वापस भेजा. उनमें डेनियल का पुत्र जेम्स भी था. अगले दिन, डेनियल ने एक भयानक समाचार सुना.

इंडियंस ने जेम्स के शिविर पर हमला किया था. डेनियल ने अपने भाई स्क्वॉयर को जेम्स को खोजने के लिए भेजा.

एक और हमला होने की स्थिति में डेनियल यात्रियों की रक्षा के लिए वहीं रुक गया.

जब स्क्वॉयर लौटा, तो उसने डेनियल को बताया कि जेम्स मर चुका था.

बाकी लोग भी मारे गए थे.

स्क्वॉयर ने उनके शव ढूंढे और उन्हें दफना दिया.

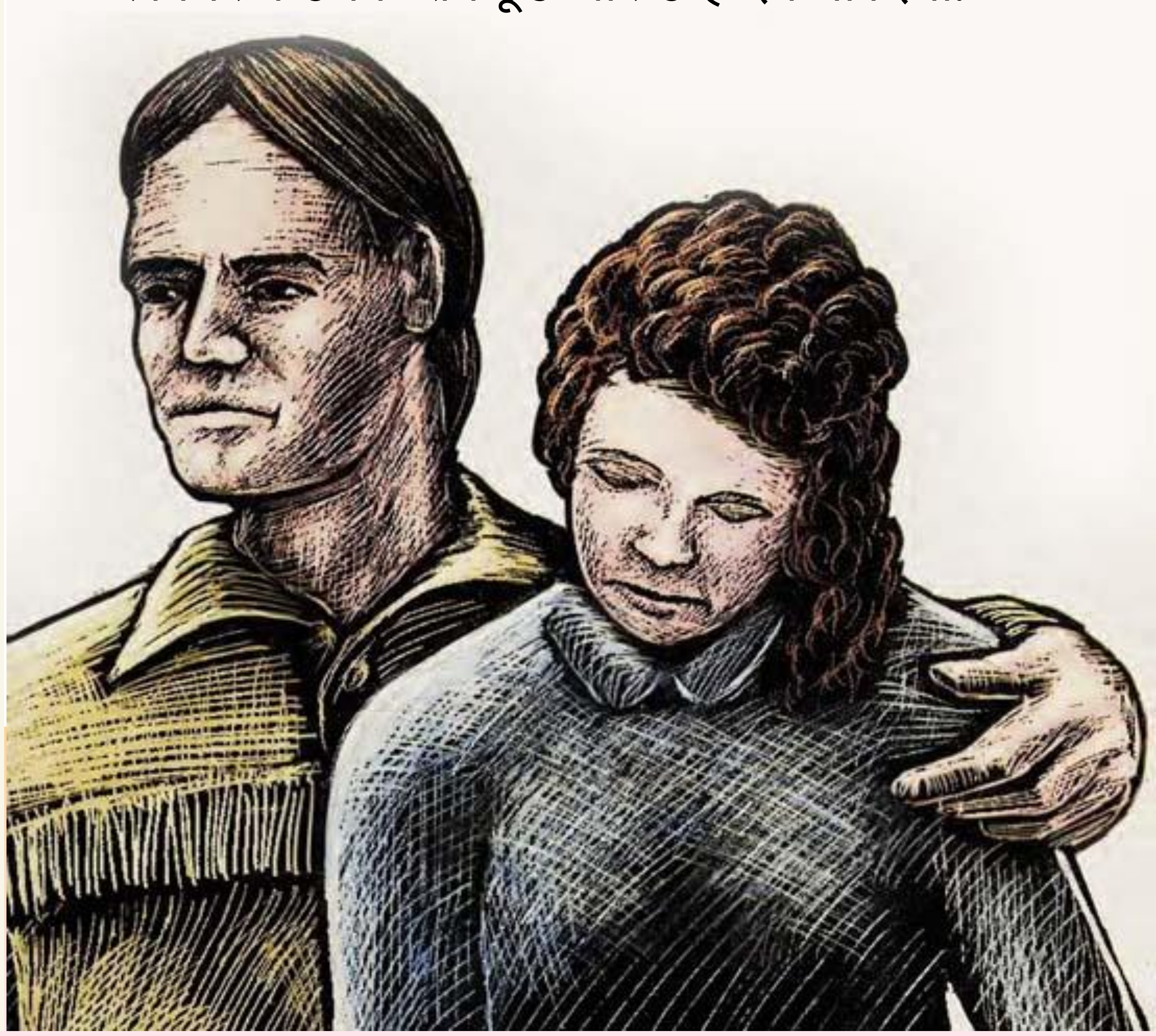

बसने वाले गोरे लोग डर गए.

इंडियंस अपनी ज़मीन की रक्षा के लिए लड़ रहे थे.

केंटकी बहुत खतरनाक लग रहा था.

अधिकांश बसने वाले गोरे वापस लौट गए.

लेकिन बून्स सर्दियों के आने के लिए केंटकी के पास ही रहे.

अगले वसंत में, डेनियल ने अपने बेटे की अकेली कब्र का दौरा किया.

उसने भेड़ियों को खोदने से बचाने के लिए कब्र को ढक दिया.

तभी उदास आकाश में से अचानक एक तूफान आया.

डेनियल चुपचाप कब्र के पास बैठ गया और रोने लगा.

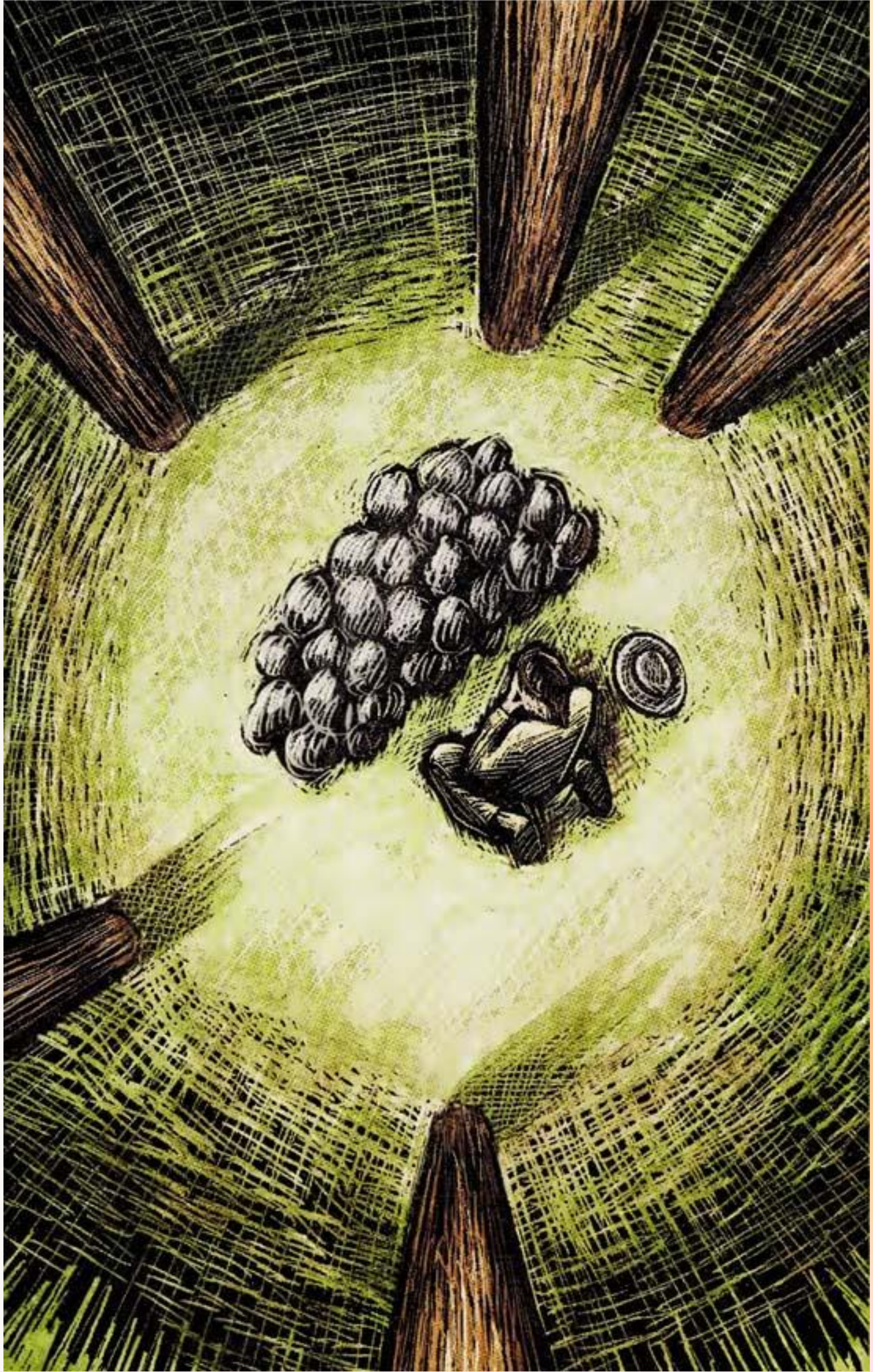

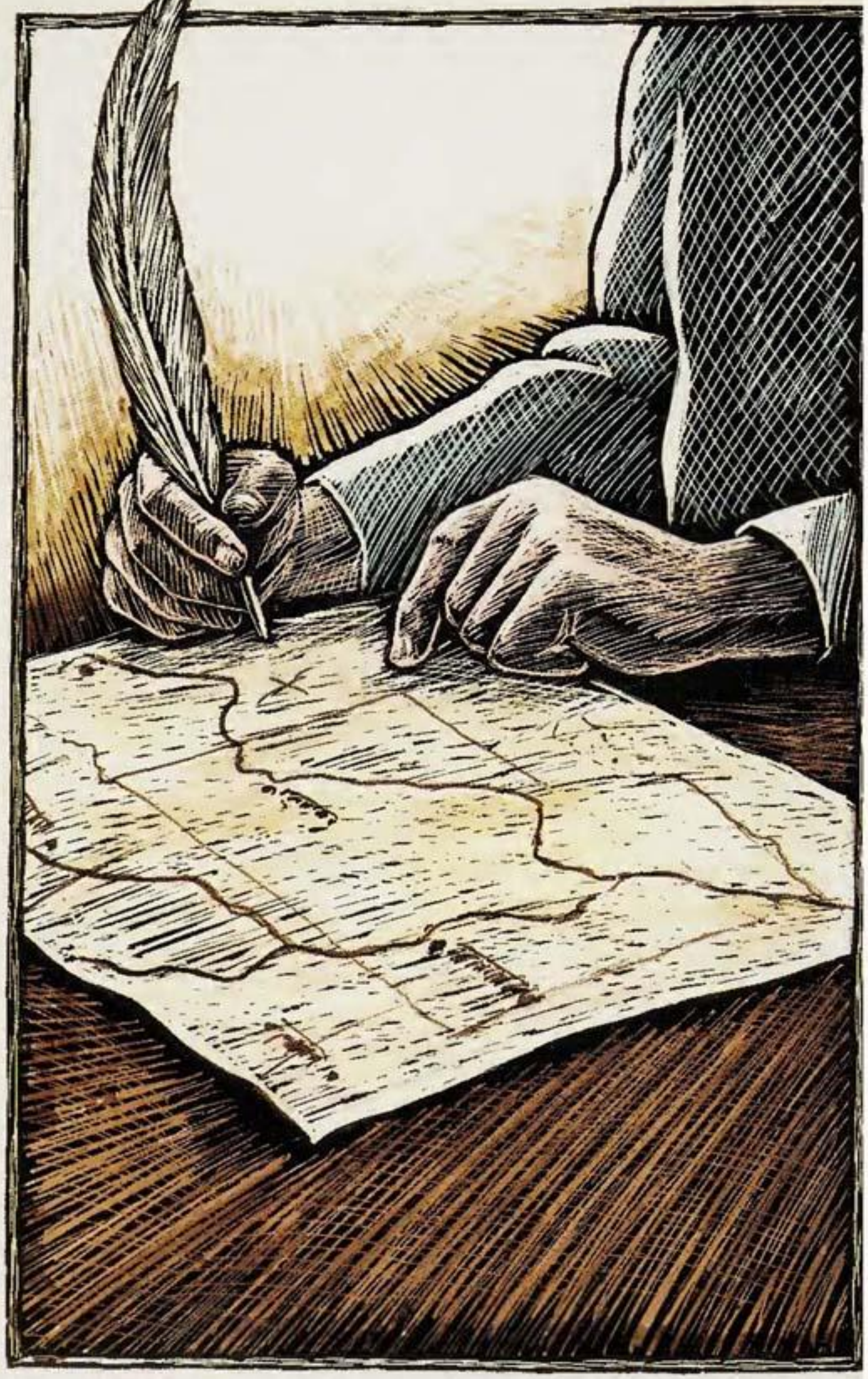

"विल्डरनेस रोड"

डेनियल बून ने केंटकी में अपने बेटे को खो दिया था.

लेकिन वो अभी भी उस खूबसूरत, हरी-भरी ज़मीन पर रहने के लिए तरस रहा था.

रिचर्ड हेंडरसन नाम के एक शख्स ने डेनियल को वापसी का मौका दिया.

हेंडरसन, केंटकी के जंगल में एक सड़क बनाना चाहता था और अंत में एक शहर बनाना चाहता था.

वो चाहता था कि डैनियल, चेरोकी इंडियंस को जमीन छोड़ने के लिए मनाने में उसकी मदद करे.

और वो चाहता था कि डेनियल सड़क निर्माण कार्य का नेतृत्व करे.

उसके बदले में, डेनियल को 2,000 एकड़ ज़मीन मिलेगी.

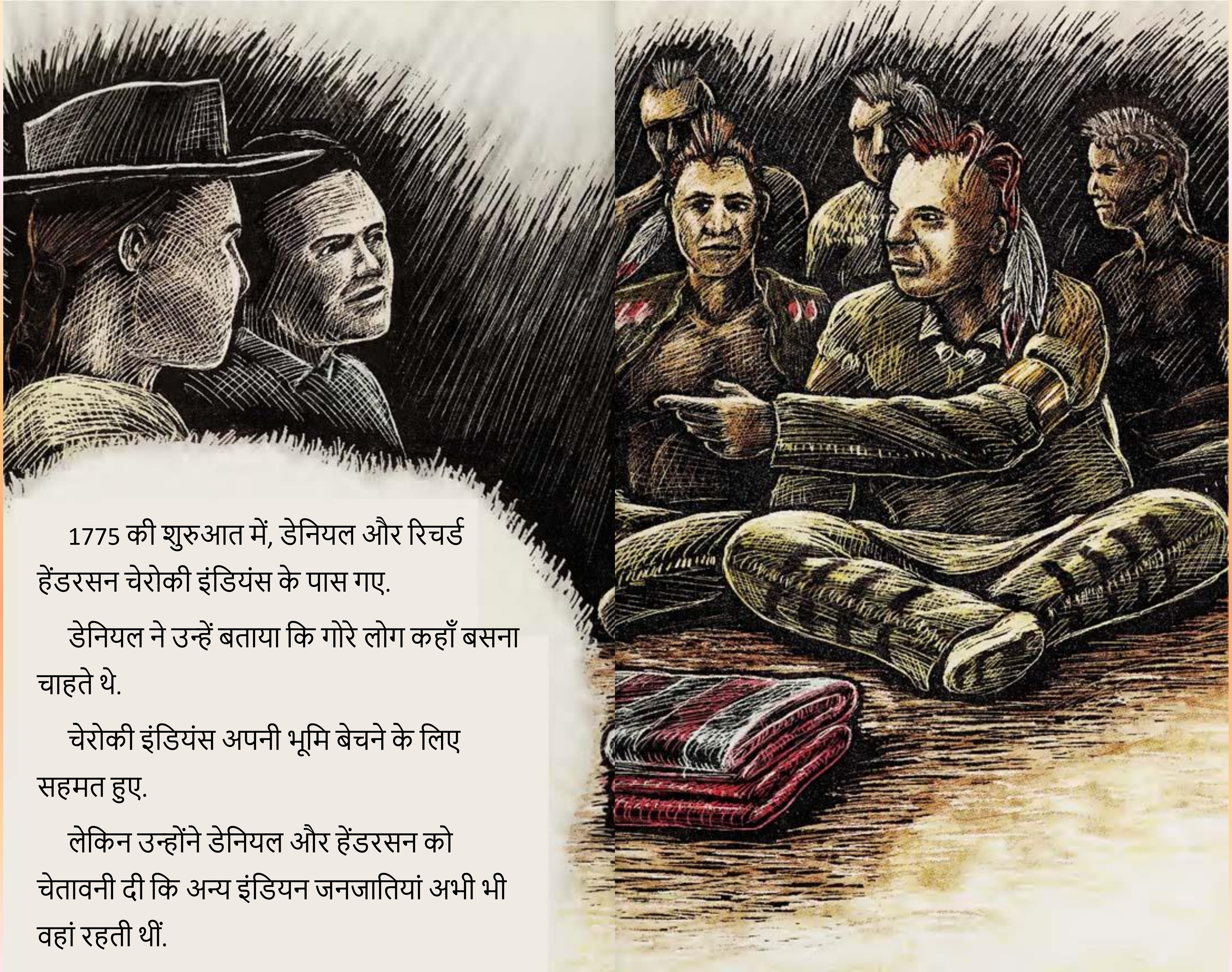

1775 की शुरुआत में, डेनियल और रिचर्ड हेंडरसन चेरोकी इंडियंस के पास गए.

डेनियल ने उन्हें बताया कि गोरे लोग कहाँ बसना चाहते थे.

चेरोकी इंडियंस अपनी भूमि बेचने के लिए सहमत हुए.

लेकिन उन्होंने डेनियल और हेंडरसन को चेतावनी दी कि अन्य इंडियन जनजातियां अभी भी वहां रहती थीं.

मार्च में, डेनियल ने उत्तरी टेनेसी में लगभग 50 लोगों को इकट्ठा किया.

वे सब मिलकर जंगल रोड का निर्माण करेंगे.

उन्होंने "विल्डरनेस रोड" नामक एक इंडियन पगडंडी पर अपने काम की शुरुआत की.

उन मज़दूरों ने घने जंगलों में से पेड़ों को काट दिया.

उन्होंने दलदलों और खाड़ियों पर लकड़ी के पुल बनाए. जब बारिश का मौसम आया तब उन्हें कीचड़ से जूझना पड़ा. जब मौसम ठंडा हो गया, तो वे बर्फीले गड्ढों में अक्सर फिसले.

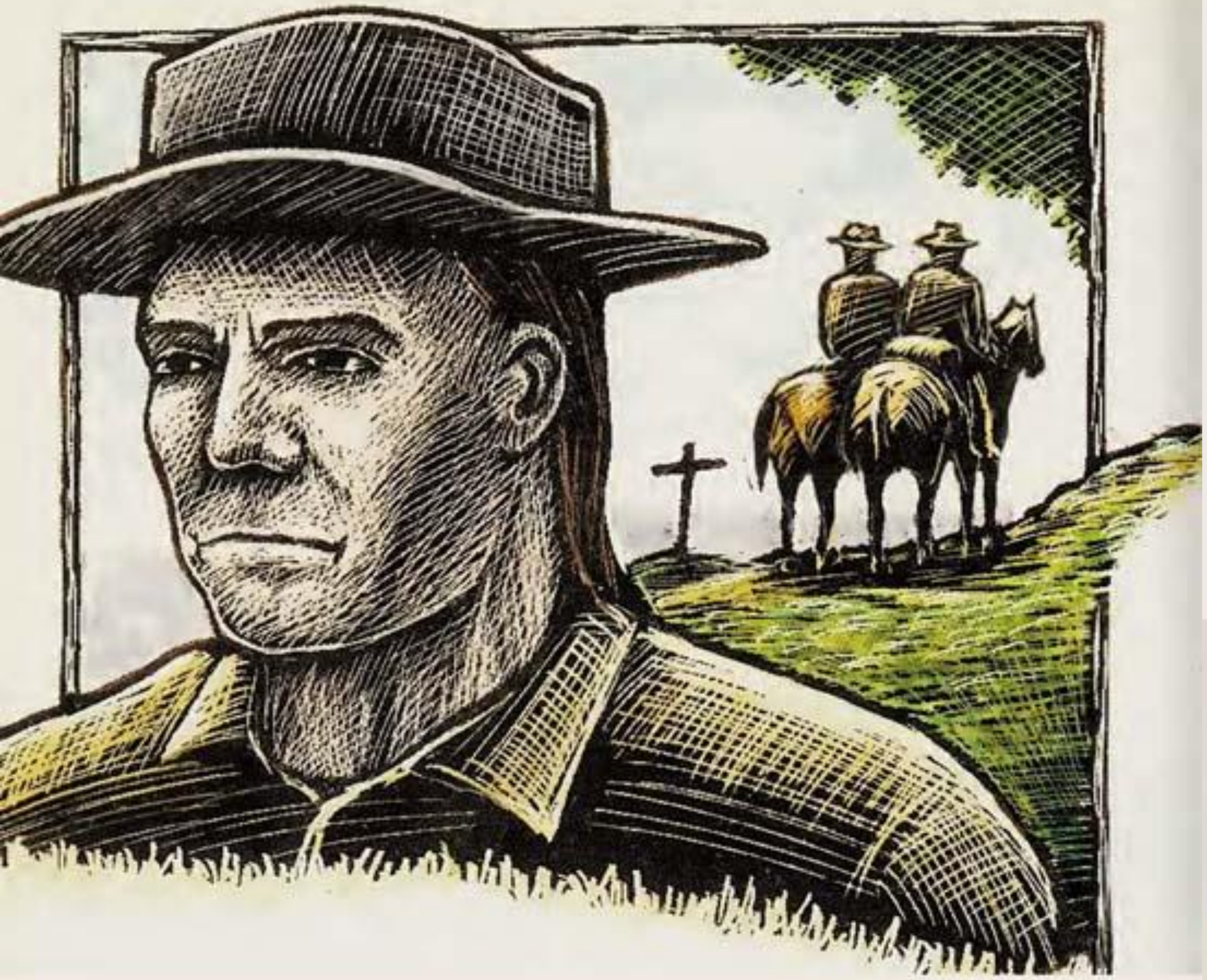

दो सप्ताह के काम के बाद, मज़दूर लगभग केंटकी पहुंच चुके थे.

लेकिन फिर इंडियंस ने सड़क बनाने वालों पर हमला कर दिया. उन्होंने दो लोगों को मार डाला और एक को चोट पहुंचाई.

कई मज़दूर काम छोड़कर पीछे मुड़े. लेकिन डेनियल आगे चलता रहा.

वो या तो यहीं बस जाएगा या फिर कोशिश करके वहीँ मर जाएगा.

मज़दूर अप्रैल में केंटकी नदी पर पहुंचे. डेनियल ने नए नगर के लिए सही स्थान चुना. तेज बहने वाली नदी उस क्षेत्र को हमलों से बचाने में मदद करेगी. फिर मज़दूरों ने लॉग हाउस (लकड़ी के घर) बनाना शुरू किए. उन्होंने उस स्थान का नाम "बून्सबोरो" रखा, उस व्यक्ति के नाम पर जो उन्हें वहां लेकर आया था.

उस गर्मी में, डेनियल बून अपने परिवार के पास लौटा.

बून्स ने अपना सामान पैक किया - फर्नीचर, भोजन, कपड़े और जानवर.

उन्होंने "विल्डरनेस रोड" का अनुसरण किया जिसे डेनियल ने केंटकी पहुँचने के लिए बनाया था.

8 सितंबर, 1775 को डेनियल और रेबेका अपने नए घर में पहुंचे.

और उन्होंने बून्सबोरो में एक नए जीवन की शुरुआत की.

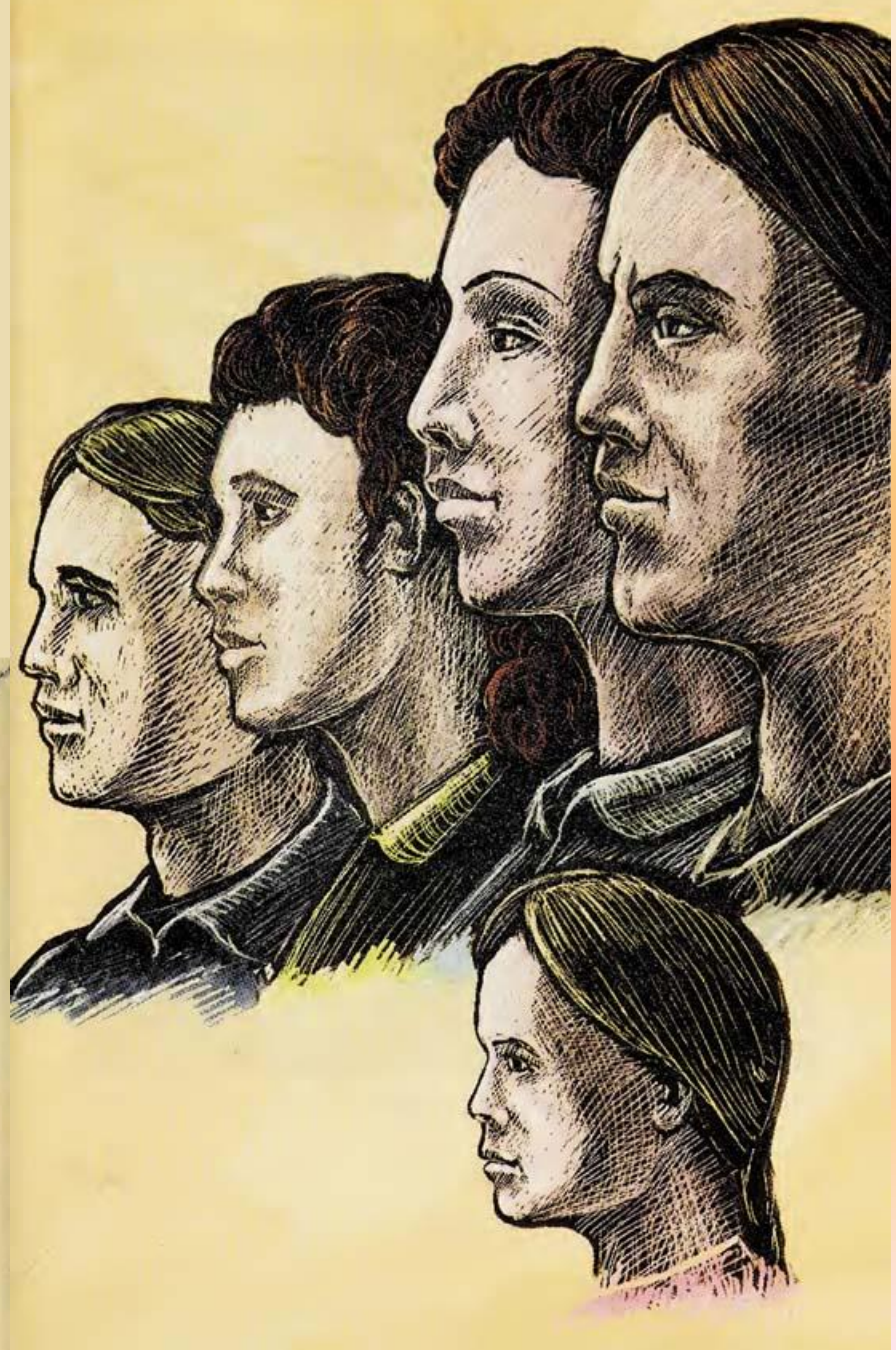

अंत के शब्द

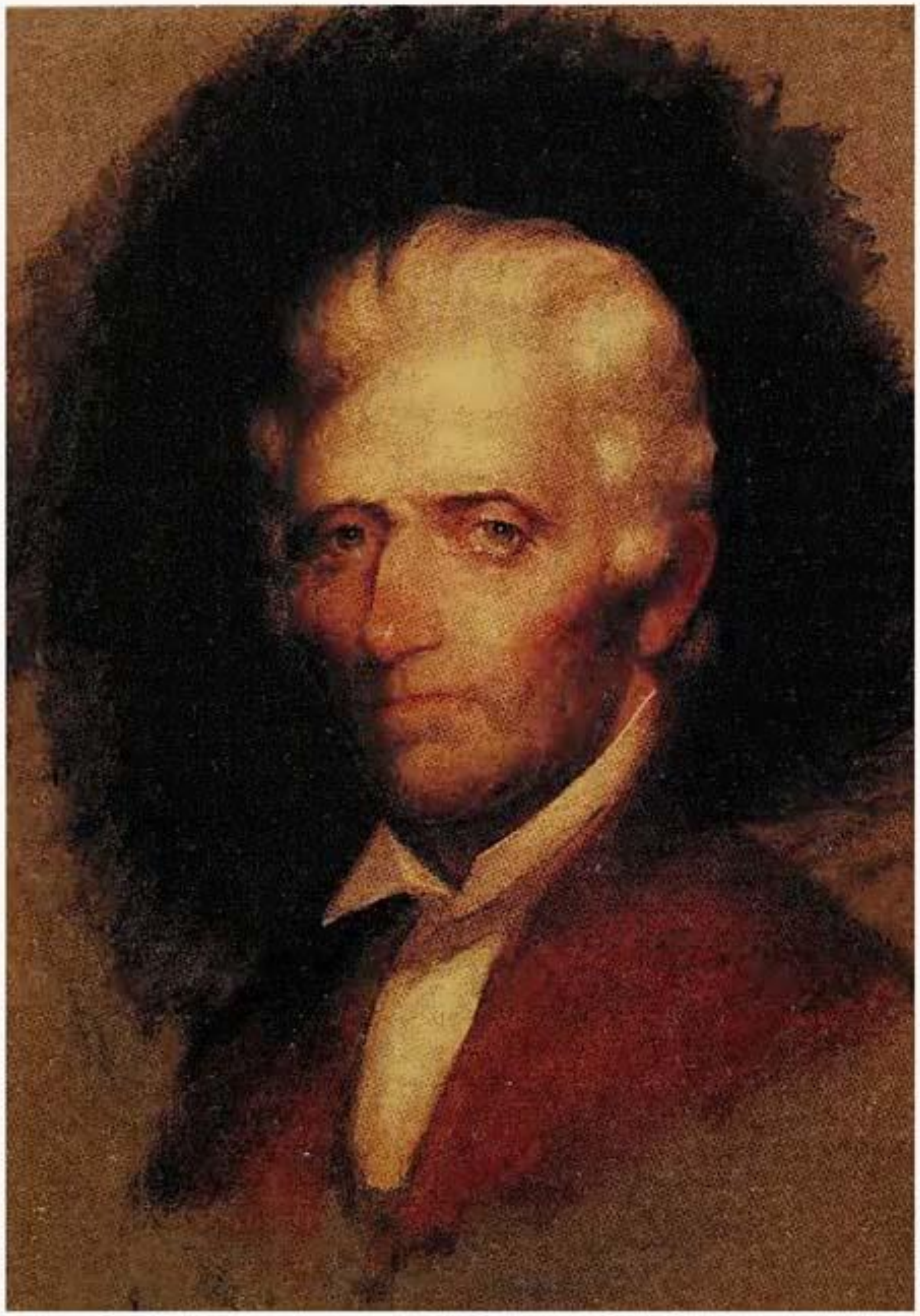
डेनियल बून, 1820

अगले तीन वर्षों तक डेनियल बून ने भूख और खतरे से बचने के लिए बून्सबोरो के लोगों का नेतृत्व किया. शहर बच गया, और समय के साथ "विल्डरनेस रोड" ने हजारों बसने वालों के लिए पश्चिम जाने के मार्ग के रूप में कार्य किया. 1783 में, अमेरिकी उपनिवेशों ने ग्रेट ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त की. लेकिन डेनियल को कभी भी 2,000 एकड़ जमीन नहीं मिली, जो "वाइल्डरनेस रोड" को बनाने और बून्सबोरो बसाने के लिए उसे मिलनी चाहिए थी. नए राष्ट्र, संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापकों ने, भूमि पर, रिचर्ड हेंडरसन के दावे को मान्यता नहीं दी.

डेनियल कई बार वहां से गया और उसने कई अन्य रोमांचक काम किए. उसके वीरतापूर्ण कारनामों की कहानियां पूरे देश में फैल गईं. उसके इंडियंस के साथ कई संघर्ष हुए जो उस ज़मीन पर पहले से ही रहते थे. लेकिन कई बसने वालों गोरों के विपरीत, डेनियल ने कभी भी इंडियंस से नफरत नहीं की और न ही वो उनसे डरा. उसने कुछ इंडियंस के साथ दोस्ती की, जो सारी ज़िंदगी चली.

1820 में मृत्यु के बाद, डेनियल बून और भी प्रसिद्ध हो गया. अमेरिकी पश्चिम में बसने वाले सभी लोगों के लिए, वीर डेनियल बून अग्रणी खुले स्थानों और नए अवसरों का एक प्रतीक बना. उसका साहस, एक शिकारी और पथप्रदर्शक के रूप में उसका कौशल, और इंडियंस के प्रति उसके सम्मान को कभी भुलाया नहीं जा सका है. डेनियल बून ने संयुक्त राज्य अमेरिका को एक महान राष्ट्र के रूप में विकसित होने में मदद की.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1734—डेनियल बून का जन्म 22 अक्टूबर को, पेन्सिलवेनिया के ब्रिटिश उपनिवेश में एक्सेटर में हुआ था

1750—परिवार पेंसिल्वेनिया छोड़कर उत्तरी केरोलिना चला गया. पहली लंबी शिकार यात्रा पर गया

1756—रेबेका ब्रायन से शादी की

1757—बेटे जेम्स का जन्म, 10 बच्चों में पहला

1769—केंटकी का दौरा किया; शॉनी इंडियंस द्वारा कब्जा कर लिया गया लेकिन भाग निकलने में सफल हुआ

1773 —केंटकी को बसाने के असफल प्रयास का नेतृत्व किया; इंडियन द्वारा हमले में बेटा जेम्स मारा गया

1775—"विल्डरनेस रोड" का निर्माण, बून्सबोरो की स्थापना की और परिवार को केंटकी लाया

1778—शॉनी इंडियंस द्वारा कब्जा कर लिया गया; महीनों तक उनके साथ रहा; भाग निकला और शॉनी हमले से बून्सबोरो का बचाव किया

1784—"द एडवेंचर्स ऑफ कर्नल डेनियल बून" का प्रकाशन, बून के बारे में पहली पुस्तक

1799—कई परिवारों को उसने मिसौरी में बसाया

1820—26 सितंबर को मिसौरी में मृत्यु